Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(1108)

UGC (CBCS) Vth Semester (New) Examination

1736

SANSKRIT

(Sanskrit Chhand Avam Gayan)

(GE)

SKT-GE-503

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : {Regular = 70, ICDEOL = 100}

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कोष्ठक में दिए गए अंक ICDEOL के परीक्षार्थियों के लिए हैं।

भाग–क

1. (क) निम्नलिखित प्रश्नानां उत्तराणि अतीव संक्षेपेण एकपदेन वा लिखित : 1×10=10 [1½×10=15]

(i) छन्दशास्त्रस्य प्रवर्तकः आचार्यः कः मन्यते ?

(ii) "वृत्तरत्नाकरस्य रचनाकारः कः ?

(iii) छन्दशब्दस्य अर्थ कः ?

(iv) छन्दशास्त्रे गणानां संख्या का भवति ?

(v) लघुः कः ?

(vi) लघोः गुरोः च पर्णयोः चिन्हे लिखत।

(vii) अनुस्वारयुक्तो स्वरः लघु भवति गुरुर्वा ?

(viii) आदिगुरुः कः भवति ?

(ix) "यतिः" शब्दस्य अपरः नामः कः ?

(x) "तभजा जगौ गः" कस्य छन्दस्य लक्षणः वर्तते ?

5×4=20

(ख) निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [5×5=25]

(i) लौकिक छन्दों की विशेषताएँ लिखिए।.

(ii) किन परिस्थितियों में लघु को भी गुरू वर्ण मान लिया जाता है ?

(iii) 'आर्या' छन्द का लक्षण लिखते हुए उदाहरण भी लिखिए।

(iv) मगणादि सभी गणों के स्वरूप को चिन्हों सहित स्पष्ट कीजिए।

(v) गायत्री छन्द का स्वरूप सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2×5=10

भाग–ख [2×7½=15]

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** भाग के प्रश्नों को हल कीजिए :

(क) "रसै रुद्रैश्छिन्ना यमन समलागः" इस छन्द लक्षण के लिए उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लघु-गुरू के निर्देशपूर्वक संगति लिखिए।

(ख) 'वृहती' छन्द का लक्षण लिखते हुए उदाहरण भी लिखिए।

अथवा

(क) "ननमय ययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः" इस छन्द लक्षण के लिए उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लघु-गुरू की निर्देशपूर्वक संगति लिखिए।

(ख) 'उष्णिक्' छन्द का लक्षण लिखते हुए उदाहरण लिखिए।

1×10=10

भाग–ग [1×15=15]

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) ऐतिहासिक दृष्टि से छन्द शास्त्र का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

(ख) 'छन्दसूत्रम्' एवं 'वृत्तरत्नाकर' पर संक्षिप्त नोट लिखिए।

2×5=10

भाग–घ [2×7½=15]

4. किसी **एक** भाग में लिखे प्रश्नों को हल कीजिए :

(क) 'भुजंगप्रयातम्' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखते हुए लघु-गुरू की निर्देशपूर्वक संगति लिखिए।

(ख) 'जगति' छन्द का लक्षण लिखकर उदाहरण लिखिए।

अथवा

(क) 'पंचचामर' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखते हुए लघु-गुरू की निर्देशपूर्वक संगति लिखिए।

(ख) 'पंक्ति' छन्द का लक्षण लिखते हुए उदाहरण भी दीजिए। 10[15]

भाग–ङ

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) 'वसन्ततिलका' एवं 'सुग्धरा' छन्दों की विशेषताएँ लिखते हुए उदाहरण भी दीजिए।

अथवा

(ख) भाषा में छन्दों के महत्त्व पर एक विस्तृत लेख लिखिए।